Central Board of School Education

Marking Scheme 2016

[Official]

Note - Candidates Please follow the Set 1 Marking Scheme.

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2015–2016
अंक योजना हिन्दी 'ऐच्छिक'
कक्षा – XII

कूटबंध – 29/1/1
~~29/1/2~~
~~29/1/3~~

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	~~29/1/2~~	~~29/1/3~~		
				खंड 'क'	
1.	1.	2.	1.	**अपठित गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर–**	15
	क	क	क	• न्याय तथा अधिकार की प्राप्ति हेतु। • लक्ष्य प्राप्त हो या न हो, किंतु हम कुमार्ग पर पाँव नहीं रखेंगे।	1+1=2
	ख	ख	ख	• अधर्म तथा हिंसात्मक युद्ध। • नियम तथा धर्म मार्ग पर न चल पाने के कारण।	1+1=2
	ग	ग	ग	• क्रोध, लोभ, रागों और स्वार्थों का दास।	2
	घ	घ	घ	• युद्ध का अर्थ हिंसा, छल और पाप है। अतः युद्ध कभी भी धर्म के पथ पर नहीं होता।	2
	ङ	ङ	ङ	• साध्य अर्थात लक्ष्य (युद्ध में विजयी होना)।	½+½+1=2

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	च	च	च	• साधन अर्थात युद्ध (साध्य प्राप्त करने का माध्यम)। • साध्य अर्थात राज्य प्राप्ति की महत्वाकांक्षा। • विश्वशांति के लिए युद्ध की अवहेलना। • शांति, आपसी सहमति से समस्याओं का हल ढूँढ़ना।	2
	छ	छ	छ	पक्ष– • युद्ध में लक्ष्य अर्थात जीत जैसे भी हो प्राप्त करना, चाहे टेढ़ी चाल से। • साम, दाम, दंड, भेद – हर नीति से युद्ध जीतने का लक्ष्य। विपक्ष – • आपसी सहमति, प्रेम व भाईचारे से युद्ध टालने का विकल्प ढूँढ़ना। • युद्ध के भयंकर दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता लाना। (अन्य उपयुक्त बिंदु संभव।)	2
	ज	ज	ज	शीर्षक – • धर्म और शांति का महत्व। • युद्ध अथवा शांति। (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य।)	1

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
2.	2.	1.	2.	**अपठित काव्यांश–**	1x5=5
	क	क	क	• नियति / भाग्य।	
				• यह आत्मज्ञान होना कि वह स्वयं ही भाग्य निर्माता है।	1
	ख	ख	ख	• खुला वक्ष, उन्नत शीश, रक्तिम नेत्र, और दृढ़ बाहुदंड द्वारा वीरता और ओज को दर्शाया गया है।	1
	ग	ग	ग	• वह नियति का दास नहीं, आत्मबल पर विश्वास।	1
	घ	घ	घ	• अपने कर्म पर भरोसा करने वाला।	1
	ङ	ङ	ङ	• पूजा – झुकना, कमज़ोरी और दुर्बलता का प्रतीक।	1
				<u>खंड – 'ख'</u>	
3.	3.	5.	3.	**किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित** :	10
				• भूमिका 1	
				• विषय–वस्तु एवं प्रतिपादन (चार बिंदुओं का प्रतिपादन) 6	
				• भाषा व प्रस्तुतीकरण 2	
				• उपसंहार / निष्कर्ष 1	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
4.	4.	6.	4.	**पत्र–लेखन** : • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 2 • विषय–वस्तु 2 • भाषा 1	5
5.	5.	3.	5.	**संक्षिप्त उत्तर–**	1x5=5
	क	क	क	• संचार – दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच सूचनाओं, विचारों और भावनाओं का विभिन्न माध्यमों से आदान–प्रदान।	1
	ख	ख	ख	• चौथा स्तंभ – मीडिया / पत्रकारिता। इसके द्वारा समस्याओं को उजागर कर समाधान ढूँढ़ा जाता है। यह पहरेदार का कार्य भी करता है।	½+½=1
	ग	ग	ग	• समाचार के तत्व– नवीनता, जनरुचि, निकटता, प्रभाव आदि। (किन्हीं दो तत्वों का उल्लेख अपेक्षित)	½+½=1
	घ	घ	घ	• बैसाखियाँ – तथ्यपरक सच्चाई, विश्वसनीयता, संतुलन, स्पष्टता, निष्पक्षता।	1
	ङ	ङ	ङ	• गहन छानबीन करके तथ्यों और	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				सूचनाओं को सामने लाना, जिन्हें दबाए / छुपाए जाने का प्रयास किया जा रहा हो।	1
6.	6.	4.	6.	**आलेख अथवा फीचर–लेखन :** • विषय वस्तु 3 • रोचकता 1 • भाषायी शुद्धता 1	5
				खंड 'ग'	
7.	7.	9.	7.	**सप्रसंग व्याख्या–** प्रसंग 1 संदर्भ 1 व्याख्या 4 विशेष 2 जननी निरखति.....मैया। कवि – तुलसीदास कविता – गीतावली (पद) संदर्भ – राम वन–गमन से संतप्त माता कौशल्या की विरह–वेदना का वर्णन।	8

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	7. अथवा	9. अथवा	7. अथवा	व्याख्या बिंदु – • बालकाल की जूतियाँ और धनुहियाँ देख कर कौशल्या माँ का दुख बढ़ना। • राम की स्मृति में उन वस्तुओं को बार–बार हृदय से लगाना। • विक्षिप्तावस्था में कौशल्या का राम को उठाना, भाइयों व मित्रों के इंतजार तथा भोजन की बात कहना। विशेष – • माता के वात्सल्य प्रेम व विरहावस्था का स्वाभाविक वर्णन। • सरल, सहज, प्रवाहमयी भाषा। • ब्रज भाषा। • छंदयुक्त, गेय, संगीतमय व लयबद्ध भाषा। • करुण रस। • अनुप्रास, पुनरुक्ति तथा उत्प्रेक्षा अलंकार। **अथवा** जो है वह ..... बेखबर। कवि – केदारनाथ सिंह कविता – बनारस।	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				संदर्भ – बनारस की प्राचीनता, आध्यात्मिकता एवं भव्यता के साथ–साथ आधुनिकता का वर्णन। व्याख्या बिंदु– • भक्ति, श्रद्धा और विश्वास स्तम्भ की भाँति विद्यमान। • राख, रोशनी, आग, पानी, धुएँ, खुशबू तथा प्रार्थना में उठे हाथों के स्तंभ शहर को संभाले हुए। • सूर्य को अर्घ्य देते साधनारत लोग सदा धर्म–कर्म में लीन। • दूसरी टाँग अर्थात आध्यात्मिकता से बेखबर आधा शहर। विशेष– • भाषा सरल एवं प्रवाहमयी। • खड़ी बोली, छंदमुक्त, अतुकान्त भाषा। • तत्सम–तद्भव शब्दों का प्रयोग। • 'टाँग' तथा 'स्तंभ' का प्रतीकात्मक प्रयोग। • अलंकार– अनुप्रास। • दृश्य बिम्ब। • 'स्तंभ' शब्द की आवृत्ति से भाव सौंदर्य उत्पन्न।	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
8.	8.	7.	8.	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित –**	3+3=6
	क	क	क	• निराला का जीवन सदा दुखों एवं अभावों से परिपूर्ण। • युवावस्था में पत्नी का देहांत, पुत्री सरोज के पालन–पोषण से वंचित। • विवाहित पुत्री का आकस्मिक निधन। • आर्थिक अभाव। • मुक्त छंद के समर्थक लेकिन संपादकों द्वारा अस्वीकृति।	3
	ख	ख	ख	• व्यष्टि से ही समष्टि निर्माण संभव। • व्यष्टि के समष्टि में समाहित होने पर ही उसकी महत्ता व सार्थकता में वृद्धि। • समाज राष्ट्र का शक्तिशाली होना भी उस पर निर्भर करता है। • मानव द्वारा अपने विशिष्ट गुणों को समष्टि में मिला कर।	2+1=3
	ग	ग	ग	• हियो हितपत्र प्रिय द्वारा परिश्रमपूर्वक लिखा गया। • प्रियतमा के प्रति प्रेम के सुंदर स्वरूप का वर्णन लेकिन किसी अन्य बात का उल्लेख न होना। • बिना पढ़े ही पत्र को टुकड़े–टुकड़े कर देना।	3

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
9.	9.	8.	9.	**दो काव्यांशों का काव्य सौंदर्य–** भाव सौंदर्य – 1 शिल्प सौंदर्य – 2	3+3=6
	क	क	क	ऊँचे.....चली गई। भाव सौंदर्य– • वसंत ऋतु के आगमन पर प्रकृति में होने वाले परिवर्तनों का सुन्दर चित्रण। शिल्प सौंदर्य– • सरल व सहज भाषा। • खड़ी बोली। • छंदमुक्त, चित्रात्मक भाषा–शैली। • तद्भव शब्द। • अलंकार– मानवीकरण, पुनरुक्ति तथा उपमा, अनुप्रास।	
	ख	ख	ख	हेम कुंभ.....भर तारा। भाव सौंदर्य– • उषा रूपी सुंदरी का स्वर्ण कुंभ अर्थात बाल सूर्य का जन जीवन पर सुख और सौन्दर्य बरसाना।	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	ग	ग	ग	शिल्प सौंदर्य– • भारत के प्राकृतिक सौंदर्य का मनोहारी चित्रण। • लाक्षणिक प्रयोग। • तत्सम शब्दावली। • उषा का मानवीकरण, रूपक व अनुप्रास अलंकार। यह तन..... पाउ। भाव सौंदर्य – • नायिका के विरह की चरमावस्था। • सर्वस्व समर्पण की भावना। शिल्प सौंदर्य – • भाषा – अवधी। • दोहा छंद। • वियोग श्रृंगार रस • अतिश्योक्ति तथा अनुप्रास अलंकार। • प्रेम की पराकाष्ठा।	
10.	10.	11.	10.	**सप्रसंग व्याख्या –** प्रसंग – 1 संदर्भ – 1 व्याख्या – 3	6

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				विशेष – 1 साहित्य.....बुलावा देता है। लेख – 'यथास्मै रोचते विश्वम्' लेखक – रामविलास शर्मा संदर्भ – मनुष्य को जीवन रूपी समर भूमि में क्रियाशील बनने की प्रेरणा। व्याख्या बिंदु– • कृष्ण के पांचजन्य शंख की भाँति साहित्य का कार्य लोगों को कर्म क्षेत्र में संघर्ष हेतु प्रेरित करना। • लोगों में उत्साह का स्वर बुलंद करना। • उदासीनता व भाग्यवाद के प्रति हतोत्साहित करना। विशेष– • तत्सम शब्दावली। • वर्णनात्मक शैली। • प्रेरित करने का भाव। • उदाहरण दे कर स्पष्टीकरण।	
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा** स्नान से .....निर्मलानंद है।	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				लेख – 'दूसरा देवदास' लेखक – ममता कालिया संदर्भ – हरिद्वार में गंगा जी की आरती के समय गंगातट के अद्‌भुत और शांत वातावरण का वर्णन। व्याख्या बिंदु– • स्नानार्थी विनीत भाव से सूर्य की आराधना में ध्यानमग्न। • आध्यात्मिक वातावरण में भीतर के सभी कलुष भावों का अंत। • शुद्ध चेतनस्वरूप, परमानन्द की अनुभूति होना। विशेष – • खड़ी बोली। • संस्कृतनिष्ठ भाषा। • प्रेरित करने का भाव। • सहज बोधगम्य भाषा।	
11.	11. क	10. क	11. क	**किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित –** • सुख और दुख की अनुभूति मानव की भावना और विचार के साथ–साथ उसकी मनःस्थिति पर निर्भर। • 'कुटज' सुख–दुख दोनों को समभाव से ग्रहण करता है।	4+4=8

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				• अतः कठिनाइयों से न घबराना, संघर्षरत हो आत्मसम्मान से जीना कुटज के व्यक्तित्व की विशेषता। • हर परिस्थिति में प्रसन्नचित्त रहना।	4
	ख	ख	ख	संवाद न सुना पाने के पीछे निहित कारण– • बड़ी बहुरिया और अपने गाँव के प्रति बहुत सम्मान। • बड़ी बहुरिया गाँव की लक्ष्मी, अतः उसके चले जाने पर गाँव की मान–मर्यादा की चिन्ता। • संवाद सुनाने के उपरान्त मायके में होने वाली प्रतिक्रिया का डर। • अपने गाँव की बदनामी के भय के कारण संदेश न सुनाना।	4
	ग	ग	ग	• आधुनिक औद्योगीकरण की आँधी से विस्थापन की स्थिति उत्पन्न होना। • अपने मूल परिवेश से कट कर विषम परिस्थितियों में जीने के लिए बाध्य। • अपने मूल परिवेश और प्राकृतिक विरासत से हटने को मज़बूर। • भविष्य में कभी भी अपने जाने पहचाने परिवेश में न लौट पाना।	4

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
12.	12.	12.	12.	जीवन परिचय • संक्षिप्त जीवन परिचय 2 • रचनाएँ (दो का उल्लेख एवं रचनाओं का संक्षिप्त परिचय भी अपेक्षित) 2 • काव्यगत विशेषताएँ / भाषागत विशेषताएँ सोदाहरण 2 **असगर वजाहत** जन्म एवं जीवन परिचय – • जन्म फतेहपुर, उत्तर प्रदेश में। • प्रारंभिक शिक्षा फतेहपुर में हुई। उन्होंने एम.ए. (हिन्दी) और पीएच.डी., अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से की। • सन् 1955–56 से लेखन कार्य प्रारंभ किया। • लघु कथा, नाटक, उपन्यास, कहानी के साथ–साथ फिल्मों और धारावाहिकों के लिए पटकथा लेखन का काम भी किया। रचनाएँ– 'दिल्ली पहुँचना है', 'स्विमिंग पुल और सब कहाँ कुछ', 'आधी बानी', 'मैं हिंदू हूँ' (कहानी संग्रह),	6

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				'फिरंगी लौट आए', 'इन्ना की आवाज', 'वीरगति', 'समिधा', 'जिस लाहौर नई देख्या' (नाटक), 'सबसे सस्ता गोश्त' (नुक्कड़ नाटकों का संग्रह), 'रात में जागने वाले', 'पहर दोपहर' तथा 'सात आसमान', 'कैसी आगि लगाई' (प्रमुख उपन्यास) आदि। साहित्यिक / भाषागत विशेषताएँ– • भाषा में गाम्भीर्य, सबल भावाभिव्यक्ति एवं व्यंग्यात्मकता है। • मुहावरों तथा तत्सम–तद्भव एवं उर्दू शब्दों के प्रयोग से सादगी आ गई है। • उनकी लघुकथाओं में प्रतीकात्मकता है। प्रतीकों के द्वारा उन्होंने व्यवस्था, मजदूरों के शोषण, किसानों की दुर्दशा आदि पर व्यंग्य किया है। पर्याप्त मात्रा में तत्सम व उर्दू शब्दों का प्रयोग भी मिलता है।	
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा** **<u>ब्रज मोहन व्यास</u>**	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	अथवा	अथवा	अथवा	जन्म एवं जीवन परिचय– • जन्म – इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश। • इलाहाबाद का विशाल और प्रसिद्ध संग्रहालय इन्हीं की देन। • इस संग्रहालय में संस्कृत, हिंदी, अरबी–फारसी आदि भाषाओं के ग्रंथों की भरमार। रचनाएँ – • अनुवाद– 'जानकी हरण' (कुमारदास कृत) • जीवनी – 'पंडित बालकृष्ण भट्ट', 'मदन मोहन मालवीय', • आत्मकथा – 'मेरा कच्चा चिट्ठा' भाषा–शैली– • सरल, सुबोध भाषा। • आम बोलचाल की भाषा तथा उर्दू शब्दों का प्रयोग। • मुहावरे और लोकोक्तियों का प्रयोग। • वर्णनात्मक शैली। **अथवा** **विष्णु खरे**	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				जन्म एवं जीवन परिचय – • जन्म छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश। • क्रिश्चियन कॉलेज से अंग्रेजी–साहित्य में एम.ए.। • इंदौर समाचार – उप सम्पादक। • दिल्ली तथा मध्य प्रदेश के महाविद्यालयों में अध्यापन, लघु पत्रिका 'व्यास' का संपादन, साहित्य अकादमी में उप सचिव, नवभारत टाइम्स में कार्यकारी सम्पादक। • नवभारत टाइम्स, जयपुर के संपादक, जवाहरलाल नेहरू स्मारक संग्रहालय तथा पुस्तकालय–दो वर्ष वरिष्ठ अध्येता, स्वतंत्र लेखन, अनुवादक । रचनाएँ – टी.एस. इलियट का अनुवाद–'मेरू प्रदेश और अन्य कविताएँ', कविता संग्रह – 'एक गैर–रुमानी समय में', 'खुद अपनी आँख से', 'सबकी आवाज के पर्दे में', 'पिछला बाकी', समीक्षा पुस्तक–'आलोचना की पहली किताब'। काव्यगत / भाषा–शिल्प विशेषताएँ– • अभ्यस्त जड़ताओं और अमानवीय	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	अथवा	अथवा	अथवा	स्थितियों के विरुद्ध सशक्त नैतिक स्वर की अभिव्यक्ति। • भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों के उल्लेख द्वारा पौराणिक संदर्भों को प्रतिपादित करना। • मानव कल्याण की भावना। **अथवा** **केशवदास** जन्म एवं जीवन परिचय – • ओरछा नगर में जन्म। • ओरछापति महाराज इंद्रजीत सिंह मुख्य आश्रयदाता। • वीर सिंह देव का आश्रय भी मिला। • साहित्य, संगीत, धर्मशास्त्र, ज्योतिष, राजनीति और वैद्यक – विषयों के आचार्य। उनका आचार्य, महाकवि व इतिहासकार रूप काव्य रचना में दिखाई पड़ता है। रचनाएँ– 'कविप्रिया', 'रसिकप्रिया', 'रामचंद्रचंदिका', 'वीर चरित्र', 'विज्ञान–गीता', 'रतन बावनी'। साहित्यिक विशेषताएँ–	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
13.	13.	13.	13.	• संस्कृत की शास्त्रीय पद्धति का हिन्दी में रूपांतरण। • व्यवस्थित और सर्वांगपूर्ण रीतिग्रंथ लिखे। • सूरदास के मन में प्रतिशोध की भावना नहीं। • सब कुछ जान कर भी भैरों व अन्य किसी को भी झोंपड़ी के जल जाने का ज़िम्मेदार न मानना। • सारी मुसीबत झेल कर भी झोंपड़ी के पुनर्निर्माण में विश्वास। जीवन मूल्य– • नव सृजन में विश्वास। • हार न मानने की प्रवृति। • कर्मशील व धुन का पक्का। • सहृदय, परोपकारी एवं दायित्व निभानेवाला।	5
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा** <u>भूप सिंह के जीवन–मूल्य–</u> • धैर्यशाली, आत्मविश्वास से परिपूर्ण।	5

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				• पर्वतारोहण में कुशल। • पुनर्निर्माण में विश्वास। • अपनी जन्मभूमि व परिवेश से लगाव। • परिस्थितियों से हार न मानने वाला अथक परिश्रमी। उदाहरण– • भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदा को सह जाना। • शैला के साथ मिल कर अथक परिश्रम कर घर का पुनर्निर्माण करना। • खेती के लिए झरने का रुख मोड़ कर पानी प्राप्त करना। • बैलों की जोड़ी, रूप सिंह व शेखर को बिना किसी उपकरण की सहायता से अपने बाहुबल व आत्मबल से पहाड़ों पर चढ़ाना। • रूप सिंह द्वारा शहर चलने व सुविधाओं से परिपूर्ण जीवन जीने के निमंत्रण को अस्वीकार करना। **दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–**	
14.	14. क	–	–	• औद्योगीकरण या विकास के नाम पर संस्कृति, सभ्यता और धरती को उजाड़ना।	5+5=10

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	ख	–	–	• भौतिकवाद की अंधी दौड़ से पर्यावरण का विनाश तथा प्रदूषण का निरन्तर बढ़ना। • तालाबों को गाद से भरना। • भूमिगत जल का दोहन। • मौसम चक्र का बिगड़ना, धरती के तापमान में वृद्धि। • ध्रुवों की बर्फ पिघलना, नदी–नालों का सूखना। • कहीं अतिवृष्टि, कहीं अनावृष्टि, कहीं बाढ़, कहीं भूस्खलन व भूकम्पों का प्रकोप। • पीने योग्य पानी की कमी, असाध्य रोगों का प्रकोप। • उम्र में काफी बड़ी, अत्यंत रूपवती स्त्री में सौंदर्य के आकर्षण से लेखक का प्रभावित होना। • लेखक द्वारा समस्त प्रकृति में उस सुन्दर स्त्री के सौंदर्य को महसूस करना। • औरत का सौंदर्य प्रकृति में जूही की लता व चाँदनी के रूप में परिलक्षित होना। • सौंदर्य और जीवन की सार्थकता का लेखक को ज्ञान होना। • लेखक को प्रकृति का सजीव नारी	5 5

http://schools.aglasem.com/

AglaSem Schools

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				के रूप में आभास होना।	
	—	14. क	—	कारण— • धरती के वातावरण में कार्बन उत्सर्जन अत्यधिक होना। • परिणामस्वरूप धरती के तापमान में वृद्धि अर्थात 'ग्लोबल वार्मिंग' का प्रकोप। • यूरोप और अमेरिका जैसे विकसित देशों में औद्योगीकरण व विकास की अंधी दौड़ इस तापमान वृद्धि का मुख्य कारण। • इन देशों का अपनी जीवन—पद्धति से कोई समझौता न करना।	5
	—	ख	—	ग्रामीण जीवन— • गाँव के लोगों का सादा रहन—सहन। • अंधविश्वासपूर्ण जीवन का निर्वाह करना। • प्रकृति में आने वाले परिवर्तनों का उनके जीवन में प्रभाव। • फल—फूल आदि प्राकृतिक पदार्थों से जुड़ाव। प्रकृति— • विभिन्न प्रकार की वनस्पति। • हरी—भरी भूमि।	

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	–	–	14. क	• घास–पात से भरे मैदान। • अनेक प्रकार के जीव–जन्तु, फल–फूल सब्जियों का बाहुल्य। उदाहरण– • दाद–खाज, फोड़े–फुंसी दूर करने के लिए बरसात में नहाना। • नीम के पत्ते चेचक के रोगी के पास रखना। • आम तथा प्याज से लू तथा गर्मी का इलाज। • बेर के फूल सूँघने से ततैये का डंक झड़ना। • बारिश आने पर कच्चे घरों का टूटना, गाँव में कीचड़ भर जाना आदि। (अन्य उदाहरण भी स्वीकार्य।) परोपकारी– • सुभागी की सहायता करना। सहृदय– • गोद लिए मिठुआ का पालन–पोषण। • सुभागी को शरण देना। • समाज कल्याण हेतु कुआँ बनवाने (खुदवाने) की सोच रखना।	2+2+1 =5

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	–	–	ख	धैर्यशील– • झोंपड़ी जल जाने पर भी किसी पर आरोप न लगाना। पुनर्निर्माण में विश्वास– • 'मिठुआ' के पूछे जाने पर कई सौ बार झोंपड़ी बनाने की बात सहज में कह देना। • प्रतिशोध की भावना से दूर – जान कर भी किसी पर झोंपड़ी का जलने का दोषी न ठहराना। कर्मशील– • दुख मनाने की अपेक्षा पुनर्निर्माण की सोच रखना। (अन्य उपयुक्त विशेषताएँ भी मान्य।) • पहाड़ों का कठिनाइयों से भरा जीवन। • यातायात के सीमित साधन। • प्राकृतिक आपदा – भूस्खलन, भारी वर्षा, कोहरे जैसी कठिनाइयाँ। • समतल भूमि का अभाव। • अत्यधिक ठंड, सर्दियों में पानी की समस्या विशेष कर खेती के लिए।	5

http://schools.aglasem.com/

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				• ईंधन की कमी, खाने–पीने का सामान जुटाने की समस्या। • जंगली जानवरों का भय, स्वास्थ्य तथा शिक्षा सेवाओं की कमी। • रोजगार के साधनों का अभाव। (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य।)	5

http://schools.aglasem.com/